श्री खीरेश्वर महादेव ज्योतिर्लिङ्ग

माता खीरेश्वरी देवी

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 7 अंक : 200 | लखनऊ, मंगलवार, 30 जनवरी, 2018 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

मोतीलाल राष्ट्रीय अॅभियंत्रण संस्थान के लखनऊ सभा के पुराछात्रों द्वारा सामाज सेवा की एक पहल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लखनऊ। लखनऊ मे मोतीलाल राष्ट्रीय अॅभियंत्रण संस्थान के पुराछात्रो के लखनऊ, सभा की सख्या 250 से अधिक है, जो विभिन्न विभागो मे अपनी सेवा दे रहे है अथवा सेवा-निवृत हो चुके है अथवा अपना कोई व्यवसाय कर रहे है । इस संस्था के पुराछात्रो की लखनऊ-सभा के वर्तमान सत्र (2017-19)के प्रेसिडेंट, डा0 भरत राज सिह ने इस वर्ष की प्रथम वैठक जो 14 जनवरी 2018 को आहूत हुई थी, मे पदाधिकारियो द्ववारा अगले 6. माह की योजना तैयार कराई । वर्ष 2018 के प्रथम कार्य की पहल समाज सेवा के लिये रक्खा । सचिव श्री पियूश सहाय व वरिष्ठ वाइस प्रेसिडेंट, ई. मंजीत सिह द्वारा 'दृष्टि सामाजिक संस्थान' को चयनित किया गयाए जो सेक्टर-7, श्रीमती नीता बहादुर मार्ग, जानकीपुरम योजना मे स्थापित है । यह संस्था पिछले 20 वर्षो से ऐसे अनाथ वच्चो को, जो मानसिक तौर से कमजोर है और उनके माता-पिता उन्हें कही(स्टेशन आदि स्थानो पर) छोड़कर चले गए, की सेवा मे लगे हुये है। उनकी , भरण-पोषण और दवा एव थेरपी आदि द्वारा तथा उनमे हुनर सिखाकर समाज में उनकी सशक्त पहचान बनाने मे लगे हुये है । हम 'लखनऊ-सभा के पुराछात्र'उनके इस जज्बे को सलाम करते हुये, जाडे के कपडो (कम्बल, स्वेटर, कोट आदि) का दान किया तथा यह भी निर्णय लिये कि उनकी आवश्यकता के अनुसार धुलाई मशीन , टी0वी0 आदि के लिये धन संग्रहकर उन्हें उपलब्ध करायेगे । जिसके लिये 13.14 सदस्यो ने खुले दिल से दान दिये और अभी तमाम सदस्यो की तरफ से उनके योगदान की सूचना आ रही है, जिससे एक सप्ताह के अन्दर उपरोक्त सामग्री उन्हें भेट कर दी जाएगी ।

यह भी अपील है कि जो भी लोग ऐसे पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी चाहते है, वह सीधे भी संपर्क कर सकते है, परन्तु वह धन स्वीकार नहीं करते ।